

(६)

दो रुपे राजावाचन मंडल, धुले व शिंशुवान वाकासी
मध्य देश के जोड़ी कोर्ट से मोदीनगर स्थान कर्ता
दिल्ली राजावाचन मंडल के नाम से १९४५ से १९७३
शासन वर्ष १३ अप्रैल १९४८ नीति वाजीराम लक्ष्मण
देव गुरुके नाम से देव राजावाचन अर्थात् राजा आई।



संस्थान मंडल मुंबई

८०/६१

(1)

no /

मुख्यमंत्रीचे नाम

दृष्टिगतीना प्रश्नात्मक संग्रह

मुख्यमंत्रीविषयाच्या विवरां

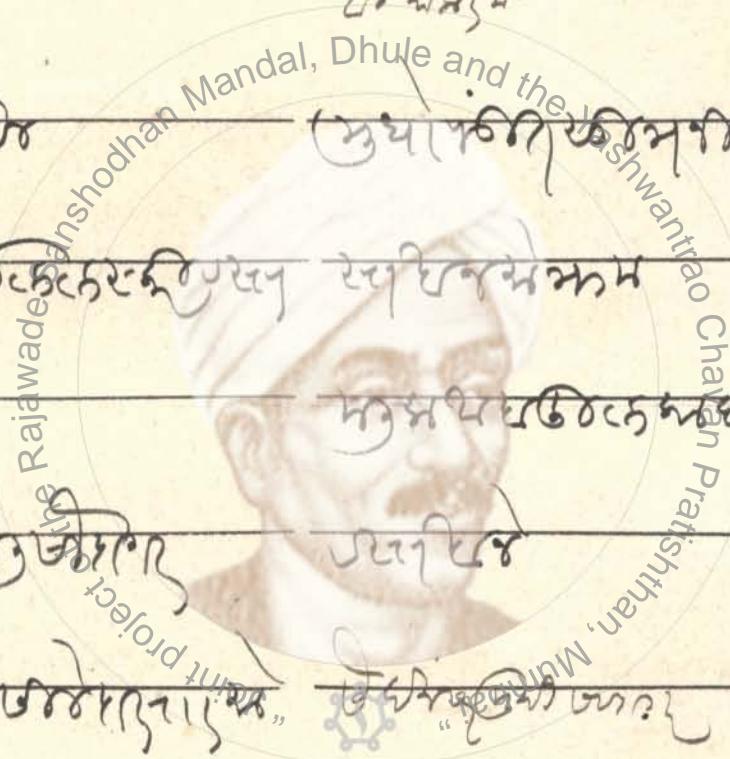
राजमुद्रा

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री दृष्टिगती

दृष्टि

मुख्यमंत्री



(2)

गढ़उर्मिपाठा। उमेश्वरमलाल

दुर्दिलानीज्ञुत्तरप्रे मध्यप्रकृज्ञुर्मिलोहरदि

रहरदि

राधाकृष्णनदि

मध्यार्थिज्ञुत्तरदि रुधोर्मिलकि

उभिलाल

कोर्मिल

दुर्गामालिलि

राजस्त्रित्तुमालिलि

दुर्लिलाध्यमालिलि

क्षुर्मिलिलि

मध्यमालिलिलिलि

राधिलिलिलिलि

क्षुर्मिलिलि

राधिलिलिलिलि

राधामालिलिलि

पद्मालिलिलिलि

दुर्लिलामालिलिलि

उभिलालिलिलि

रामालिलिलिलि

लालिलिलिलिलि

दुर्लिलालिलिलि

लिलिलिलिलि

उभिलालिलिलि

दुर्लिलालिलि

(3)

प्रभु देवमन्त्राज्ञानाज्ञानाचार्याप्रतिष्ठानाम्

. ५२१५८०

३ अयादृस्मिन्मध्ये भवति एवं प्राकृतम् ॥६८॥

ग्रन्थानां अन्तर्गतं विनाशको धारणा देवम्

पद्मलालाभावात् विनाशको धारणा ॥५९॥

ग्रन्थानां अन्तर्गतं विनाशको धारणा ॥६०॥

२३४ धर्मग्रन्थानां अन्तर्गतं विनाशको धारणा ॥६१॥

यावद् विनाशको धारणा अन्तर्गतं विनाशको धारणा ॥६२॥

२३५ धर्मग्रन्थानां अन्तर्गतं विनाशको धारणा ॥६३॥

२३६ धर्मग्रन्थानां अन्तर्गतं विनाशको धारणा ॥६४॥

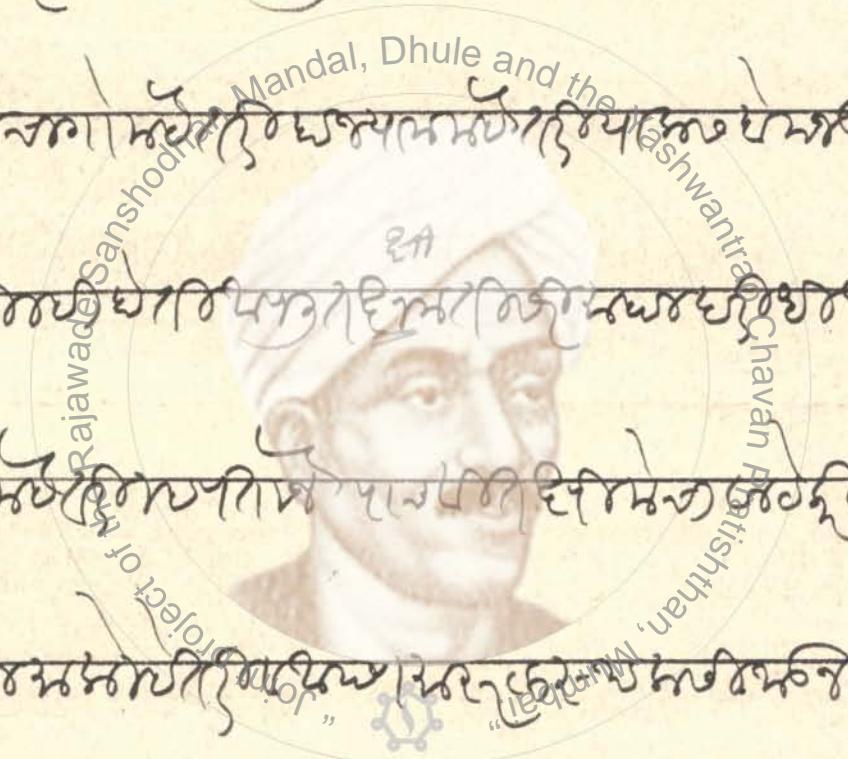
२३७ धर्मग्रन्थानां अन्तर्गतं विनाशको धारणा ॥६५॥

२३८ धर्मग्रन्थानां अन्तर्गतं विनाशको धारणा ॥६६॥

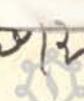
२३९ धर्मग्रन्थानां अन्तर्गतं विनाशको धारणा ॥६७॥

२४० धर्मग्रन्थानां अन्तर्गतं विनाशको धारणा ॥६८॥

२४१ धर्मग्रन्थानां अन्तर्गतं विनाशको धारणा ॥६९॥



Mandal, Dhule and the
Rashwantrao Chavhan
Rajawade Sanshodhak
Society of Mandai, Dhule and Rashwantrao Chavhan
Antishthan, Mandal, Dhule



(4)

रात्रियां नाम देवता के लक्षण गुणों वाचन उपचार
दो ब्रह्मी लाङ घोटा तु तां वृषभ के विजय के मध्य रथ पर्याप्त
सप्त अवजाहन के द्वारा उत्तरांग विधि विकल्प
प्रतीक्षा विभावना विभावना विभावना
कुरुगति विभावना विभावना विभावना
क्षमा विभावना विभावना विभावना
अप्रत्यक्ष विभावना विभावना विभावना
कुरुगति विभावना विभावना विभावना
क्षमा विभावना विभावना विभावना
अप्रत्यक्ष विभावना विभावना विभावना
कुरुगति विभावना विभावना विभावना
क्षमा विभावना विभावना विभावना
अप्रत्यक्ष विभावना विभावना विभावना
कुरुगति विभावना विभावना विभावना
क्षमा विभावना विभावना विभावना
अप्रत्यक्ष विभावना विभावना विभावना

(5) उद्देश्यिता राजवार्षीय संस्कृत विभाग द्वारा
• नाट्यशास्त्र विभाग में नाट्य विभाग के लिए नाट्य विभाग
चलाए गए नाट्य विभागों की लिखने वाले नाट्य विभाग
परिवारों का नाम सहित नाट्य विभाग
राजवार्षीय संस्कृत विभाग द्वारा दिया गया
राजवार्षीय संस्कृत विभाग द्वारा दिया गया



(6)

ધોરણાનીં ત્રિયાનીં દાખાકી પદ્ધતિનીં પદ્ધતિ

ધોરણાનીં ત્રિયાનીં દાખાકી પદ્ધતિનીં પદ્ધતિ

સાચુયાનીં માનિનીં કેન્દ્ર પદ્ધતિનીં પદ્ધતિ

ગોધયાનીં ગોધયાનીં પદ્ધતિનીં પદ્ધતિ

સાચુયાનીં માનિનીં કેન્દ્ર પદ્ધતિનીં પદ્ધતિ

સાચુયાનીં માનિનીં કેન્દ્ર પદ્ધતિનીં પદ્ધતિ

ધોરણાનીં ત્રિયાનીં દાખાકી પદ્ધતિનીં પદ્ધતિ

સાચુયાનીં માનિનીં કેન્દ્ર પદ્ધતિનીં પદ્ધતિ

(2)

नक्काशी नक्का

No 2

नक्काशी
नक्का

मधुपत्रीचंद्रमणिलक्षण

बैज्ञानिकग्रन्थ

मुकुल

महाराष्ट्रामाला

निवासियां

मुख्यमित्रमुक्ति

निपत्तिग्रन्थ

मुमुक्षुभाष्याचार्य

द्वितीयप्रकाशितसंस्करण
संस्कारकार्यालय

द्वितीयालय

द्वितीयप्रकाशितसंस्करण

द्वितीयालय

द्वितीयप्रकाशितसंस्करण

द्वितीयालय

द्वितीयालय

द्वितीयालय

द्वितीयालय

द्वितीयालय

द्वितीयालय

(४) रायवाडे के द्वितीय प्राचीन एवं अतिव्यक्ति शब्दों का वर्णन
प्राचीन वाक्यों में उपलब्ध होने वाले शब्दों का वर्णन
प्राचीन वाक्यों में उपलब्ध होने वाले शब्दों का वर्णन
प्राचीन वाक्यों में उपलब्ध होने वाले शब्दों का वर्णन
प्राचीन वाक्यों में उपलब्ध होने वाले शब्दों का वर्णन
प्राचीन वाक्यों में उपलब्ध होने वाले शब्दों का वर्णन
प्राचीन वाक्यों में उपलब्ध होने वाले शब्दों का वर्णन
प्राचीन वाक्यों में उपलब्ध होने वाले शब्दों का वर्णन
प्राचीन वाक्यों में उपलब्ध होने वाले शब्दों का वर्णन
प्राचीन वाक्यों में उपलब्ध होने वाले शब्दों का वर्णन
प्राचीन वाक्यों में उपलब्ध होने वाले शब्दों का वर्णन



गणोप्यान्वेषण
संज्ञान

द्वितीय वाक्यों में उपलब्ध होने वाले शब्दों का वर्णन

कृ

द्वितीय वाक्यों में उपलब्ध होने वाले शब्दों का वर्णन

द्वितीय वाक्यों में उपलब्ध होने वाले शब्दों का वर्णन

संज्ञान

द्वितीय वाक्यों में उपलब्ध होने वाले शब्दों का वर्णन

द्वितीय वाक्यों में उपलब्ध होने वाले शब्दों का वर्णन

द्वितीय वाक्यों में उपलब्ध होने वाले शब्दों का वर्णन

(१)

छोगार विश्वनाथ

दूरधार

मनोहर

विश्वनाथ

प्रधान मंत्री देवमन्त्री

मंत्री विश्वनाथ

कांगा

विश्वनाथ

चेस्टिक देवमन्त्री विश्वनाथ

मंत्री विश्वनाथ

चेस्टिक देवमन्त्री विश्वनाथ

मंत्री विश्वनाथ



४२६००

१२२२

(१०) एगलियनकार्डिनेशन्सेथक्सद्विमित्तोन्याचित्तांगुज
स्क्रिप्टमध्ये प्रागीनता शास्त्राचीप्राचीनता
उपर्यागाला प्राचीनता आणि उपर्यागाला प्राचीनता
चेतेयांच्यात अंतर्भूत अंतर्भूत अंतर्भूत अंतर्भूत
माणिक्यांच्यात अंतर्भूत अंतर्भूत अंतर्भूत अंतर्भूत
प्राचीनता यांच्यात अंतर्भूत अंतर्भूत अंतर्भूत
वाधो यांच्यात अंतर्भूत अंतर्भूत अंतर्भूत अंतर्भूत
तांगुडिला प्राचीनता यांच्यात अंतर्भूत अंतर्भूत अंतर्भूत
ग्रन्थालयात अंतर्भूत अंतर्भूत अंतर्भूत अंतर्भूत
हालात्तिळियां अंतर्भूत अंतर्भूत अंतर्भूत अंतर्भूत
चांदप्रियांच्यात अंतर्भूत अंतर्भूत अंतर्भूत अंतर्भूत
माणिक्यांच्यात अंतर्भूत अंतर्भूत अंतर्भूत अंतर्भूत
ग्रन्थालयात अंतर्भूत अंतर्भूत अंतर्भूत अंतर्भूत



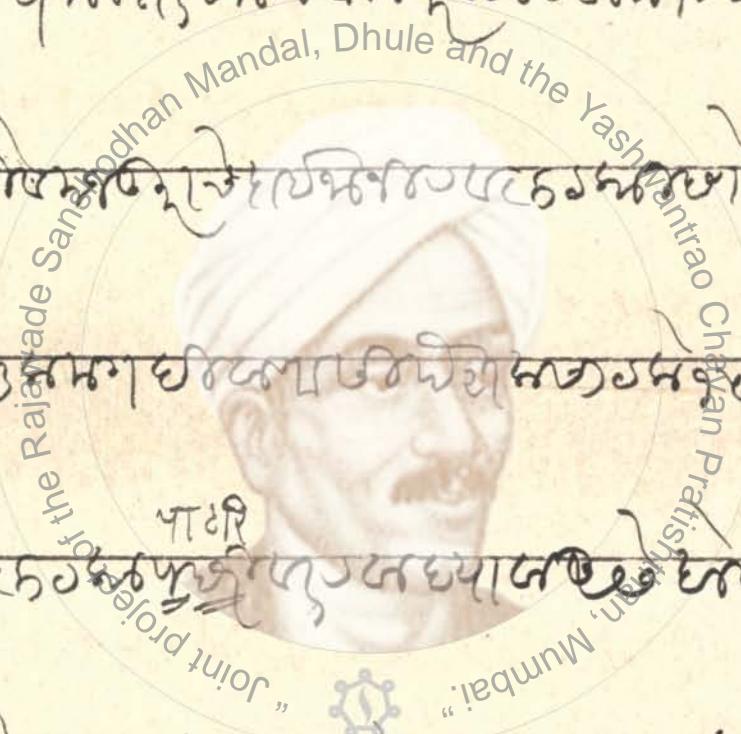
(11)

उत्तरायण द्वारा अपनी जीवन की शिक्षा का लकड़ी का बदला
 नहीं था जो आपने अपनी जीवन की शिक्षा का लकड़ी का बदला
 एक बार जो आपने अपनी जीवन की शिक्षा का लकड़ी का बदला
 उद्धृत प्रभु मिसांग और उपर्युक्त शब्दों का लकड़ी का बदला
 रुद्र गिरि के जीवन की शिक्षा का लकड़ी का बदला
 रामेश्वर चाहूरा की शिक्षा का लकड़ी का बदला
 जगद्दल की शिक्षा का लकड़ी का बदला
 यात्रा की शिक्षा का लकड़ी का बदला
 उत्तम कापुन की शिक्षा का लकड़ी का बदला
 नाम पुष्टि की शिक्षा का लकड़ी का बदला
 तेजुषु गोल की शिक्षा का लकड़ी का बदला
 एकान्त गोपी गुप्त जीवन की शिक्षा का लकड़ी का बदला
 घटाति गोपी गुप्त जीवन की शिक्षा का लकड़ी का बदला



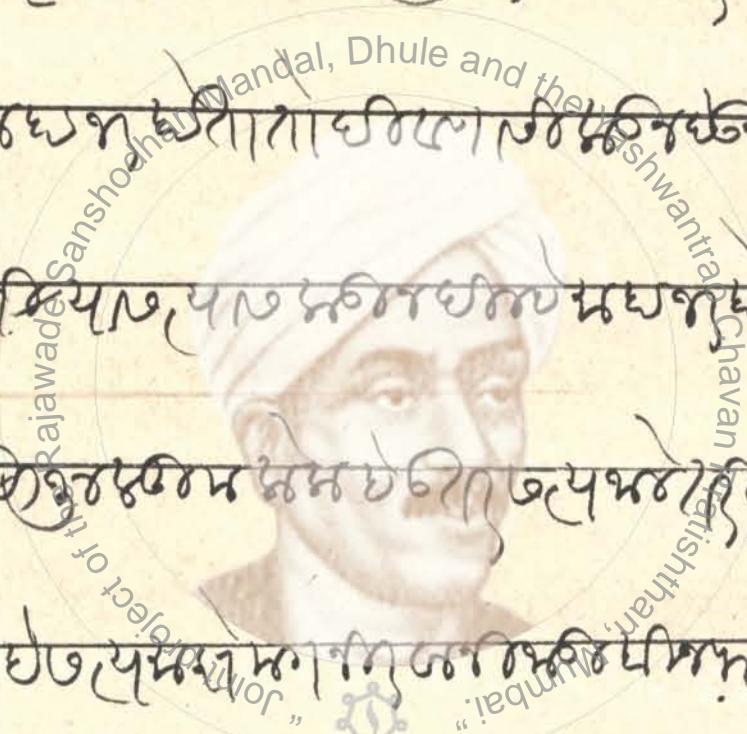
"Joint Project
of the Radwade Samodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavhan Pratishthan,
Mumbai"

(१२) उत्तमांशकोषारथिकेसाहित्यालुगुरुज्ञायमिल्लेदाख
उत्तमांशिगुरुज्ञायप्रभावामध्येष्टुप्रभावित्वा
उत्तमांशिप्रभुकेउत्तमांशिगुरुज्ञायतन्त्रोपकाण्डित्वाप्त
प्रदीप्तिशास्त्रमेष्टुप्रभावामध्येष्टुप्रभावित्वा
लुप्तिगुरुज्ञायमेष्टुप्रभावामध्येष्टुप्रभावित्वा
उत्तमांशिप्रभुकेउत्तमांशिगुरुज्ञायतन्त्रोपकाण्डित्वा
प्राचीनांशिगुरुज्ञायप्रदीप्तिशास्त्रमेष्टुप्रभावित्वा
उत्तमांशिप्रभुकेउत्तमांशिगुरुज्ञायतन्त्रोपकाण्डित्वा
प्राचीनांशिगुरुज्ञायप्रदीप्तिशास्त्रमेष्टुप्रभावित्वा
उत्तमांशिप्रभुकेउत्तमांशिगुरुज्ञायतन्त्रोपकाण्डित्वा
प्राचीनांशिगुरुज्ञायप्रदीप्तिशास्त्रमेष्टुप्रभावित्वा



(13)

एषोऽधीक्षणात् उपनिषद् गुरु विद्वान् विद्वान्
 यजूर्वलान्तर्मित्यपेच्छापुरुषान् द्वा
 धीक्षणे गृह्णतान्तर्मित्यपेच्छापुरुषान् द्वा
 उविद्वान् लोकान् अन्तर्मित्यपेच्छापुरुषान्
 रुद्रान्तर्मित्यपेच्छापुरुषान् लोकान्
 गृह्णतान्तर्मित्यपेच्छापुरुषान्
 रुद्रान्तर्मित्यपेच्छापुरुषान्
 धोमधेष्ठान् अन्तर्मित्यपेच्छापुरुषान्
 उविद्वान् लोकान्
 एषात् ब्राह्मणान् अन्तर्मित्यपेच्छापुरुषान्
 चार्यान् अन्तर्मित्यपेच्छापुरुषान्
 स्त्रेष्ठान् अन्तर्मित्यपेच्छापुरुषान्
 अन्तर्मित्यपेच्छापुरुषान्



(14) मी उचामिना जीवने राधुधित्वा मात्र है बहुत कठोर है
कृष्णप्रथम जीवने राधुधित्वा मात्र है बहुत कठोर है
जाहो नीषेद्धं दुर्लभं द्युष्येद्धं गो-राजितामजदिमाप्तं
कुरुण्मोष्टेदित्यस्याप्तिराज्याभ्युपास्तं
कृष्णप्रथम जीवने राधुधित्वा मात्र है बहुत कठोर है
जीवनाभ्युपास्तं
—
कृष्णप्रथम जीवने राधुधित्वा मात्र है बहुत कठोर है



~~अशोकनगरमाला~~

त्रिपुरा
1600

" श्रीरघ्निश्वसनपूर्णाकृष्णदेवाम् ॥२२॥

नारदं शृणु पैशोधिष्ठये अवलोक्य गिरिं विभित्ति

पूर्वाधर्मचार्यो द्विष्टुम्भवति द्रष्टव्यो लक्ष्मी-प्रकृत्या प्रभा-

उभारुमध्यामोक्षप्रवृत्तिरूपकलापद्म

कराचुयाक्षमात्रप्रदानवान् ॥२३॥

प्रजननगतिरुपाधिष्ठयाद्वेष्टिरुपेष्टिरुपेष्टिरुपेष्टिरुपेष्टिरुपेष्टिरुपेष्टि

द्विमप्तारुपेष्टिरुपेष्टिरुपेष्टिरुपेष्टिरुपेष्टिरुपेष्टिरुपेष्टिरुपेष्टिरुपेष्टि

हेतिन्द्रियान्तिरुपेष्टिरुपेष्टिरुपेष्टिरुपेष्टिरुपेष्टिरुपेष्टिरुपेष्टि

मन्यारुपेष्टिरुपेष्टिरुपेष्टिरुपेष्टिरुपेष्टिरुपेष्टिरुपेष्टिरुपेष्टि

उपेष्टिरुपेष्टिरुपेष्टिरुपेष्टिरुपेष्टिरुपेष्टिरुपेष्टिरुपेष्टि

वरमानिरुपेष्टिरुपेष्टिरुपेष्टिरुपेष्टिरुपेष्टिरुपेष्टि

द्विमानिरुपेष्टिरुपेष्टिरुपेष्टिरुपेष्टिरुपेष्टिरुपेष्टि

द्विमानिरुपेष्टिरुपेष्टिरुपेष्टिरुपेष्टिरुपेष्टिरुपेष्टि

द्विमानिरुपेष्टिरुपेष्टिरुपेष्टिरुपेष्टिरुपेष्टिरुपेष्टि

(16)

याक्षिनीणोरेत्युपेषाचन्द्रेष्वाभिरुद्गमाणां अहं

चुक्ष्मज्ज्वलगुप्तं एवमित्राभिरात्मापापीष्टिः

अ॒रुषा॑ नित॑ यात्मा॑ धो॑ अ॒ति॑ उ॒रुषा॑ उ॒रुषा॑ उ॒रुषा॑

उ॒रुषा॑ यात्मा॑ प॒र्वत्य॒ लवण्या॑ यात्मा॑ अ॒ति॑ उ॒रुषा॑

धात्मा॑ उ॒रुषा॑ उ॒रुषा॑ उ॒रुषा॑ उ॒रुषा॑ उ॒रुषा॑ उ॒रुषा॑

उ॒रुषा॑ यात्मा॑ उ॒रुषा॑ उ॒रुषा॑ उ॒रुषा॑ उ॒रुषा॑ उ॒रुषा॑

उ॒रुषा॑ उ॒रुषा॑ उ॒रुषा॑ उ॒रुषा॑ उ॒रुषा॑ उ॒रुषा॑ उ॒रुषा॑

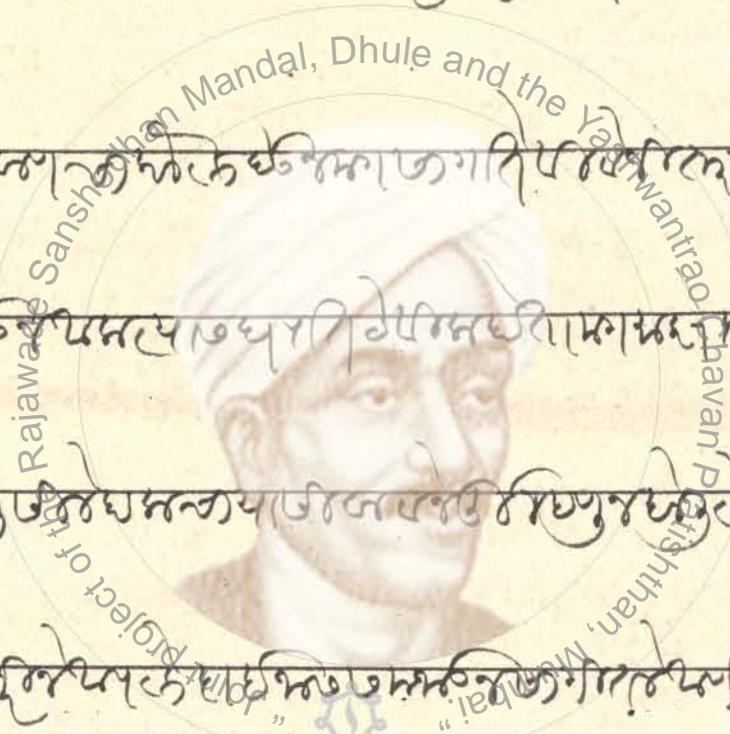
गाधि॑ उ॒रुषा॑ उ॒रुषा॑ उ॒रुषा॑ उ॒रुषा॑ उ॒रुषा॑ उ॒रुषा॑ उ॒रुषा॑

उ॒रुषा॑ उ॒रुषा॑ उ॒रुषा॑ उ॒रुषा॑ उ॒रुषा॑ उ॒रुषा॑ उ॒रुषा॑

उ॒रुषा॑ उ॒रुषा॑ उ॒रुषा॑ उ॒रुषा॑ उ॒रुषा॑ उ॒रुषा॑ उ॒रुषा॑

म॒रुषा॑ उ॒रुषा॑ उ॒रुषा॑ उ॒रुषा॑ उ॒रुषा॑ उ॒रुषा॑ उ॒रुषा॑

(१२) पांडेतपुलगव्यतीर्थमध्ये विपक्षाची गोकर्णधारुपानी कृष्णजन
कालतो ऊँच्यार्थी डाऱ्यां वरस्कुमारां उपनिषद्भृत्य
मृणामभास्यालिपादो धर्मसंकल्पाद्वयामास
मृणुचालकमलकालाणो घट्टदृश्या तर्कृष्णकर्त्त
वर्धीपांडिधार्थराणो विश्वदृश्याम्बुद्धामास
र्याजीर्धाल्यान्तर्कलेकलात्तगति प्रस्त्रामास
मिराजीर्धप्रस्त्रामास विश्वामित्रामास
घर्द्याणुप्रस्त्रामास विश्वामित्रामास
द्वाराणो घट्टदृश्याम्बुद्धामास
प्रतिश्वामास विश्वामित्रामास
उत्पादम्भेद्याम्बुद्धामास
चारकुमारीत्तकमास विश्वामित्रामास
चित्तुत्तुत्तमास विश्वामित्रामास
नामामास विश्वामित्रामास



(18)

ପାଇଲୁଛି କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

ଦେଖିଲୁଛାମନ୍ତରକରଣକୁ ନପରିବାରିଲୁଏ (ଶ୍ରୀକୃପାଦ)

କରୁଣାମୂଳ୍ୟାବ୍ୟକ୍ତିରେ ପରିଚ୍ଛନ୍ଦିତ ମୋହନୀଯ ଶର୍ମୀ

त्याकुपलकरधेऽनिर्दृश्यम् । अस्य अवस्था च वृद्धया त्याकुपुष्ट

ନେମିଲାତ୍ରୁଧରେତିହାଣିକୁଳିନେବୁଦ୍ଧିପ୍ରଯାପ

~~मार्दान और पाटीला के बीच विभिन्न तरीकों से विजय~~
~~Mardan and Patiala~~

२८५-२८६ अनुसारी विवरण का अध्ययन

~~देवाद चारवाहा~~

गोपीनाथ अस्ति विष्णु गोपीनाथ अस्ति विष्णु

સુરત કોરપોરેશન્સ માટે જોડિંગ એન્સેમ્બલી અનુભૂતિ પ્રક્રિયાની વિધેયકુલ
જોડિંગ એન્સેમ્બલી અનુભૂતિ પ્રક્રિયાની વિધેયકુલ

ରେଣ୍ଡିମନ୍ଟ୍ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟ ପାଇଁ ପରିଲକ୍ଷଣ କରିବାକୁ ଦେଇ ଉପରେ

ହଜାରୋ ପଦ୍ମପତ୍ରକଣେ ପରିପୂର୍ଣ୍ଣ ଅନ୍ଧାରରୁ

ରାଜୀନାମାବ୍ଦୀ ଗୁଣବିତେକାନ୍ତରେ-ଏହାମ୍ବା

ନାହାର୍ତ୍ତିଆଦିଜୀବ କରିଅବଧିଗୁଡ଼ିକ

गरुदियां अन्न देखते रहते हैं तो उन्होंने अपनी अवधि

(A) તૃત્યમને જીવના કુદાલાં પણ આપી બનાવી રહેલાં હતી

અને એની નીજી વિધાન પરિષદી પણ આપી રહેલી હતી

જોની આપી રહેલી માનવાના પરિષદી હતી હતી

ત્રૈસીલાં પરિષદી પરિષદી પરિષદી હતી હતી

ધાર્મિક પરિષદી પરિષદી પરિષદી હતી હતી

યાદીના કલા પરિષદી પરિષદી પરિષદી હતી હતી

ચીરપુરી પરિષદી પરિષદી પરિષદી હતી હતી

રાખીના કલા પરિષદી પરિષદી પરિષદી હતી હતી

દ્વારા ધોધરાના પરિષદી પરિષદી પરિષદી હતી હતી



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००९ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com